(छ) पंजीकृत उपभोक्ताओं को रसोई गैस कनैक्शन कब तक उपलब्ध करा दिये जायेंगे ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कप्तान सतीश शर्मा) : (क) से (छ) निजी पत्रकारों/समानांतर विपणनकर्ताओं को एल.पी.जी. के आयात एवं विपणन के संबंध में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय से कोई अनुमति लेने की जरूरत नहीं है । तथापि उन्हें सुरक्षा पर्यावरण इत्यादि के संबंध में शासी प्रासंगिक अधिनियमों, नियमों एवं विनियमों के अधीन यथा लागू अन्य प्राधिकारियों से अनुमोदन प्राप्त करने की आवश्यकता होती है । फिलहाल अधिकांश निजी पक्षकार सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों की आयात/भंडार सुविधाओं का उपयोग करते हुए एल.पी.जी. का आयात कर रहे हैं । उनसे कुछ मुख्य नियंत्रक विस्फोटक जो एल.पी.जी. के भंडार तथा परिवहन के सुरक्षा पहलुओं की जांच करने के प्राधिकारी हैं, से आवश्यक अनुज्ञप्ति प्राप्त करने के पश्चात् विविध स्थानों पर अपनी स्वयं की आयात भंडारण, वितरण एवं भरण सुविधाओं भी विकसित कर रहे हैं । 1994-95 के दौरान समानान्तर विपणन कर्ताओं द्वारा 41.8 टी.एम.टी. थोक एल.पी.जी. तथा 0.19 टी.एम.टी. पैक्ड एल.पी.जी. की आयात की गई थी । चूंकि इस प्रकार की एल.पी.जी. का वितरण बाजार निश्चित मूल्यों पर स्वतः समानातर विपणन कर्ताओं द्वारा किया जाता है अतः उनके वितरकों के पास उपलब्ध प्रतीक्षा सूची का रख रखाव सरकार द्वारा नहीं किया जा रहा है। तथापि, 01 जनवरी, 1995 की स्थिति के अनुसार देश के अन्तर्गत सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों के पास एल.पी.जी. कनेक्शन हेतु प्रतीक्षा सूची में 113.72 लाख लोग थे । उत्पाद उपलब्धता होने पर यथा संभव शीघ्र अधिक से अधिक आवेदकों को एल.पी.जी. कनेक्शन देने के संबंध में प्रयास लगातार जारी हैं ।

पेट्रोलियम उत्पादों के उत्पादन में वृद्धि

5547. श्री राम जेठमलानी :
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में वित्तीय वर्ष 1994-95 के दौरान कच्चे तेल और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के स्वदेशी उत्पादन में वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो किन किन पेट्रोलियम उत्पाद के उत्पादन में वर्ष 1993-94 की तुलना में वर्ष 1994-95 में बढ़ोत्तरी हुई है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि इन उत्पादों के उत्पादन में वृद्धि होने से उत्पादों पर दी जाने वाली राज सहायता में कमी की गई है ;

(घ) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं; और

(ङ) किस-किस पेट्रोलियम उत्पाद पर वर्ष 1993-94 की तुलना में वर्ष 1994-95 में कितने कितने प्रतिशत कम या अधिक राज सहायता दी गई है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कप्तान सतीश शर्मा) : (क) कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन निम्नवत था :--

	1993-94	1994-95
कच्चा तेल	27.02 एमटी	32.24 एम टी
पेट्रोलियम उत्पाद	52.084 एम एम टी	52.835 एम एम टी

(ख) 1994-95 के दौरान एल.पी.जी., मोगास, नेफथा, ए.टी.एफ. एच.एस.डी आदि जैसे मुख्य पेट्रोलियम उत्पादों के उत्पादन में वृद्धि हुई

(ग) से (ङ) पेट्रोलियम उत्पादों पर दी गई राज सहायता नीचे दर्शायी गयी है :—

(करोड़ रुपए)

	1993–94	1994–95
एस.के.ओ.	3773	3740
एल.पी.जी.	1261	1410
एच.एस.डी.	575	430
नेफथा ऊर्वरक	503	520
उपयोग भट्टी का तेल) ऊर्वरक उपयोग	167	200
एल.एस.एच.एस (ऊर्वरक उपयोग)	102	130
टिमन (पैक्ड)	126	110
पैराफीन वेक्स	89	20

विभिन्न क्षेत्रों में पेट्रोलियम की मांग

5548. श्रीमती सुषम स्वराज :
श्री राम जेठमलानी :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने देश के औद्योगिक, कृषि, यातायात, वाणिज्य क्षेत्र और सरकारी-प्रशासनिक क्षेत्रों में पेट्रोलियम, विशेषकर पेट्रोल तथा डीजल की मांग की अलग-अलग मात्रा का अनुमान लगाया है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं ;

(ग) क्या सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों, विशेषकर पेट्रोल तथा डीजल के अपव्यय पर रोक लगाने के लिए कोई कदम उठाने पर विचार किया है ; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) और (ख) अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों में ईंधन या फीडस्टाक के रूप में पेट्रोलियम उत्पादों का उपयोग किया जाता है । घरेलू क्षेत्र में एल.पी.जी. और मिट्टी का तेल ऐसे उत्पाद हैं, जो खाना बनाने और प्रकाश के लिए प्रयोग किए जाते हैं । परिवहन क्षेत्र में एम.एस., डीजल और ए.टी.एफ. का उपयोग ईंधन के रूप में किया जाता है। औद्योगिक क्षेत्र में नेफथा/एन.जी.एल., एच.एस.डी., एल.डी.ओ., एफ.ओ/एल.एस.एच.एस. आदि का उपयोग किया जाता है । कृषि क्षेत्र में एच.एस.डी. का उपयोग पम्प सेटों, ट्रैक्टरों, फसल काटने वाले यंत्रों आदि के लिए ईंधन के रूप में किया जाता है । एल.डी.ओ., डीजल, एन.जी.एल./नेफ्था और एफ.ओ./एल.एस.एच.एस. का उपयोग मुख्य सहायक दोनों ईंधन के रूप में बिजली के उत्पादन के लिए किया जाता है ।

एम.एस. (पेट्रोल) की समस्त खपत आटोमोबाइल क्षेत्र अर्थात् कारों और तिपहिया/दुपहिया वाहनों में होती है । 1992-93 और 1993-94 में एम.एस. की वास्तविक खपत क्रमशः 3595 टी.एम.टी. और 3839 टी.एम.टी. थी ।

1992–93 और 1993–94 के दौरान डीजल की क्षेत्रवार खपत नीचे दी गई है :

	1992–93 (टी.एम.टी.)	1993–94 (टी.एम.टी.)
रेलवे	1416	1441